Title: Need to run certain trains from varanasi , U.P.

श्री शंकर प्रसाद जायसवाल (वाराणसी) : माननीय अध्यक्ष जी, मैं वाराणसी काशी से आता हूं। वाराणसी भारत की सांस्कृतिक एवं धार्मिक राजधानी है, पर्यटक स्थल है। देश और विदेश से लाखों लोग नित्य वहां आते हैं और आने-जाने का क्रम लगा रहता है। प्रतिदिन एक लाख लोग वाराणसी में आते और जाते हैं। ऐसे स्थान वाराणसी से अनेक दिशाओं में चलने वाली ट्रेनें अपर्याप्त हैं। वाराणसी से चलने वाली ट्रेनों का परिचालन पटना, मुजफ्फरपुर और दरभंगा से करना अनुचित है। वर्तमान समय में, पिछले एक वर्ा से लगातार वाराणसी से ट्रेनों को पटना, दरभंगा और मुजफ्फरपुर ले जाया जा रहा है। मैं आपके माध्यम से रेल मंत्री और सरकार का ध्यान आकृट करना चाहता हूं कि वाराणसी के लोगों में इससे बड़ा आक्रोश है।â€¦

(व्यवधान) आप बैठिये। आपको जो कहना हो, बाद में कहिये। अगर आपका मंत्री ऐसे ही जरूरी समझता है, जैसा कि श्रीमान जी कह रहे हैं।â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप चेयर को एड्रैस करिये।

श्री शंकर प्रसाद जायसवाल : अगर पटना से ट्रेन चलाना आवश्यक है तो नई ट्रेन पटना से चलायें, नई ट्रेन आवश्यक है तो मुजफ्फरपुर से चलायें, नई ट्रेन आवश्यक है तो दरभंगा से चलायें, लेकिन वाराणसी की ट्रेनों को आगे तक बढ़ाना अनुचित है। मैं आपके माध्यम से रेल मंत्री और सरकार से मांग करता हूं कि कोचीन एक्सप्रैस जो वाराणसी से चलती थी, उसे अब पटना तक कर दिया है। वाराणसी से सिकन्दराबाद तिरुपति एक्सप्रैस को पटना तक ले गये हैं, वाराणसी से दरभंगा सदभावना एक्सप्रैस को पटना ले गये हैं, पवन एक्सप्रैस जो वाराणसी से चलती थी, उसे तीन दिन दरभंगा और तीन दिन मुजफ्फरपुर के लिए ले गये। अन्त में बताना चाहता हूं कि सारनाथ एक्सप्रैस को आप छपरा ले गये, ज्ञानगंगा एक दिन दरभंगा से चल रही है, इन सारी ट्रेनों को आप फिर से वाराणसी से चलायें, नहीं तो वाराणसी के लोगों में आक्रोश है। अगर वाराणसी से ट्रेन आगे गईं तो वाराणसी के लोग लाइन पर आ जाएंगे।